अवध में राम आये हैं | By Devi Neha Saraswat

सजा दो घर को गुलशन सा
अवध में राम आये हैं
अवध में राम आये हैं
मेरे भगवान आये हैं
मेरे भगवान आये हैं
लगे कुटिया भी दुल्हन सी
अवध में राम आये हैं

पखारो इनके चरणों को बहाकर प्रेम की गंगा
बहाकर प्रेम की गंगा ....
बिछा दो अपनी पलकों को
अवध में राम आये हैं

तेरी आहट से हैं वाक़िफ़ नहीं चेहरे की है दरकार
बिना देखे कह देंगे लो आ गए हैं मेरे सरकार
लो आ गए हैं मेरे सरकार .....
दुआओं का हुआ है असर
अवध में राम आये हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-by-devi-neha-saraswat/